समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Friday, 11 September 2026

नेशनल पॉल्यूशन कंट्रोल डे 2025: पर्यावरण संरक्षण की चेतना जगाने वाला दिवस

Publisher Published on 02 Dec 2025

आज देशभर में *????? ???????? ??????? ??* मनाया जा रहा है—एक ऐसा दिन जो हमें पर्यावरण संरक्षण की अहमियत और प्रदूषण नियंत्रण की तत्काल जरूरत की याद दिलाता है। हर वर्ष यह दिवस न केवल प्रदूषण से बढ़ते खतरों पर चिंतन करने का अवसर देता है, बल्कि यह समाज, सरकार और उद्योग जगत को मिलकर एक स्वच्छ, सुरक्षित और टिकाऊ भविष्य की दिशा में कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित भी करता है।

नेशनल पॉल्यूशन कंट्रोल डे की शुरुआत का मुख्य उद्देश्य विभिन्न प्रकार के प्रदूषण—वायु, जल, ध्वनि और मिट्टी—के बढ़ते स्तरों के प्रति लोगों को जागरूक करना है। शहरीकरण, औद्योगिकीकरण और जनसंख्या वृद्धि ने पर्यावरण पर अत्यधिक दबाव डाला है, जिसके परिणामस्वरूप प्रदूषण आज एक वैश्विक संकट का रूप ले चुका है। विशेष रूप से भारत जैसे तेजी से विकसित हो रहे देशों में वायु गुणवत्ता, जल शुद्धता और पर्यावरणीय संतुलन लगातार चिंता का विषय बने हुए हैं।

वायु प्रदूषण भारत में सबसे गंभीर समस्याओं में गिना जाता है। सर्दियों के मौसम में स्मॉग और पार्टिकुलेट मैटर (PM 2.5 व PM 10) का स्तर कई शहरों में स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक श्रेणी तक पहुंच जाता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि लंबे समय तक प्रदूषित हवा में रहने से श्वसन रोग, हृदय संबंधी बीमारियों और फेफड़ों की क्षमता में कमी जैसे गंभीर खतरे पैदा होते हैं। इसके अलावा, जल प्रदूषण भी उतना ही चिंताजनक है। नदियाँ और झीलें औद्योगिक कचरे, रसायनों और घरेलू अपशिष्ट से प्रभावित हो रही हैं, जिससे पीने योग्य जल स्रोतों की गुणवत्ता लगातार गिर रही है।

इस अवसर पर पर्यावरणविदों का कहना है कि प्रदूषण नियंत्रण केवल सरकारी नीतियों से नहीं, बल्कि जनता की सक्रिय भागीदारी से भी संभव है। स्वच्छ ऊर्जा का उपयोग, सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा, प्लास्टिक उपयोग में कमी, वृक्षारोपण और कचरे के उचित प्रबंधन जैसे कदम बड़े बदलाव का आधार बन सकते हैं। सरकार भी विभिन्न स्तरों पर वायु गुणवत्ता मॉनिटरिंग, स्वच्छ ईंधन योजनाओं, औद्योगिक उत्सर्जन नियंत्रण और नदी संरक्षण कार्यक्रमों पर काम कर रही है।

नेशनल पॉल्यूशन कंट्रोल डे हमें यह भी याद दिलाता है कि पर्यावरण संरक्षण भविष्य की पीढ़ियों के लिए हमारी जिम्मेदारी है। यदि

प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में आज गंभीर प्रयास नहीं किए गए, तो आने वाले वर्षों में जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग और पारिस्थितिकी असंतुलन जैसी चुनौतियाँ और भी गहरी होती जाएंगी। इसलिए यह दिवस केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक चेतावनी है कि हमें प्रकृति के साथ तालमेल बैठाकर जीवनशैली अपनानी होगी।

आज के दिन पूरे देश में शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों और सरकारी एजेंसियों द्वारा जागरूकता अभियान, वृक्षारोपण कार्यक्रम, प्रदूषण नियंत्रण से संबंधित वर्कशॉप और जनसंवाद आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य युवाओं और आम नागरिकों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति सकारात्मक सोच को बढ़ावा देना है।

नेशनल पॉल्यूशन कंट्रोल डे 2025 हमें यह समझने का अवसर देता है कि साफ हवा, स्वच्छ पानी और स्वस्थ पर्यावरण सिर्फ विकल्प नहीं, बल्कि मानव जीवन की मूलभूत आवश्यकता हैं। इस अवसर पर हम सभी का दायित्व है कि हम अपनी दैनिक आदतों में पर्यावरण-संवेदी बदलाव लाकर एक स्वच्छ और सुरक्षित भारत के निर्माण में योगदान दें।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.